Chapter- 12

कः रक्षति कः रक्षितः

STUDY NOTES

MIND MAP

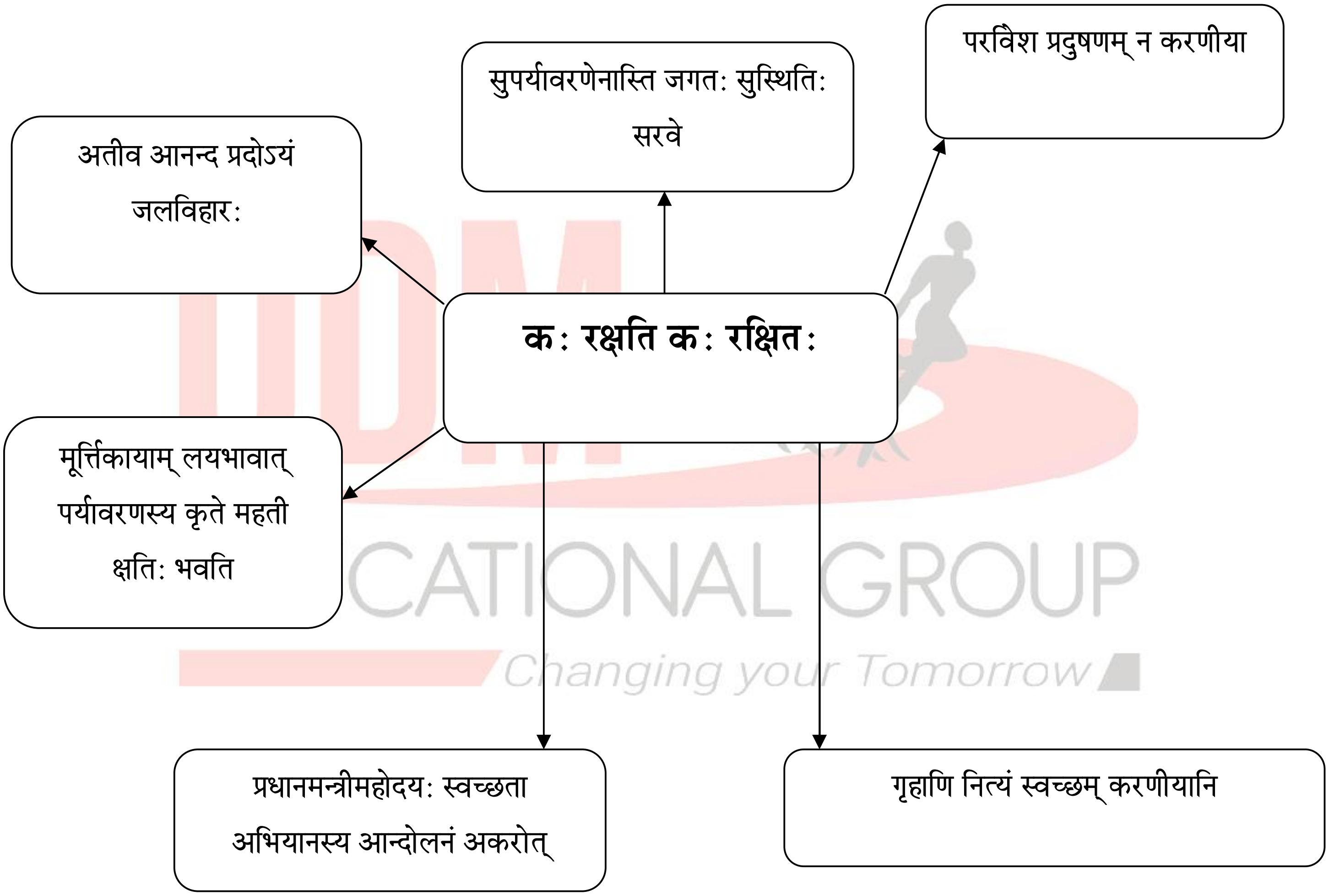

कः रक्षति कः रक्षितः

अतीव आनन्द प्रदोऽयं जलविहारः

सुपर्यावरणेनास्ति जगतः सुस्थितिः सरवे

परविश प्रदुषणम् न करणीया

मूर्त्तिकायाम् लयभावात् पर्यावरणस्य कृते महती क्षतिः भवति

प्रधानमन्त्रीमहोदयः स्वच्छता अभियानस्य आन्दोलनं अकरोत्

गृहाणि नित्यं स्वच्छम् करणीयानि

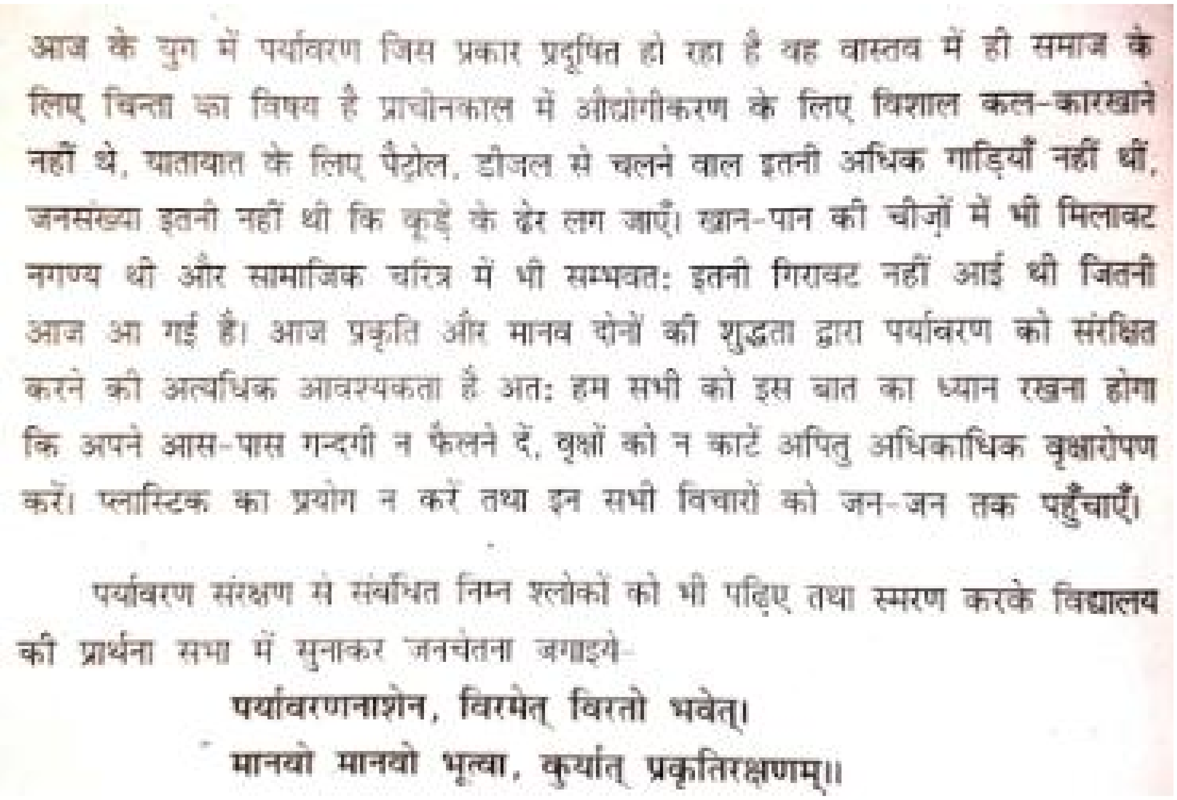

आज के युग में पर्यावरण जिस प्रकार प्रदूषित हो रहा है वह वास्तव में ही समाज के लिए चिन्ता का विषय है प्राचीनकाल में औद्योगीकरण के लिए विशाल कल-कारखाने नहीं थे, यातायात के लिए पैट्रोल, डीजल से चलने वाल इतनी अधिक गाड़ियाँ नहीं थीं, जनसंख्या इतनी नहीं थी कि कूड़े के ढेर लग जाएँ। खान-पान की चीज़ों में भी मिलावट नगण्य थी और सामाजिक चरित्र में भी सम्भवत: इतनी गिरावट नहीं आई थी जितनी आज आ गई है। आज प्रकृति और मानव दोनों की शुद्धता द्वारा पर्यावरण को संरक्षित करने की अत्यधिक आवश्यकता है अत: हम सभी को इस बात का ध्यान रखना होगा कि अपने आस-पास गन्दगी न फैलने दें, वृक्षों को न काटें अपितु अधिकाधिक वृक्षारोपण करें। प्लास्टिक का प्रयोग न करें तथा इन सभी विचारों को जन-जन तक पहुँचाएँ।

पर्यावरण संरक्षण से संबंधित निम्न श्लोकों को भी पढ़िए तथा स्मरण करके विद्यालय की प्रार्थना सभा में सुनाकर जनचेतना जगाइये-

पर्यावरणनाशेन, विरमेत् विरतो भवेत्।
मानवो मानवो भूत्वा, कुर्यात् प्रकृतिरक्षणम्॥

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow